कपास की खेती के लिए 29वां साप्ताहिक परामर्श, 24 से 30 दिसम्बर 2024 तक

मध्य प्रदेश		पिछले सप्ताह की वास्तविक वर्षा (मिमी)					अगले सप्ताह में अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		दिसंबर					दिसंबर				
		१३	14	15	16	17	19	20	21	22	23
	खरगोन										
	धार	0	0	0	0	0	0	0	1.5	1.3	0
	खंडवा										
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 से 2.4 मिमी		2.5 से 15.5 मिमी		15.6 से 64.4 मिमी		64.5 से 115.5 मिमी		115.6 से 204.4	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:
खंडवा में बोई गई फसल चुनाई की अवस्था में हैं। अधिकांश खेतों में चुनाई का काम चल रहा है।

सलाह:
खंडवा में किसानों को सलाह दी जाती है कि वे कपास को साफ कपड़े या तिरपाल पर रखें। कपास चुनते समय सूखे पत्तों, डंठलों और मिट्टी के टुकड़ों को आपस में मिलाने से बचें, क्योंकि इससे कपास की गुणवत्ता खराब हो सकती है। नमी की मात्रा कम करने के लिए कपास को धूप में फैलाएँ, क्योंकि अधिक नमी, कपास की गुणवत्ता के साथ-साथ बीज को भी नुकसान पहुँचाती है। आंशिक रूप से खुले, अविकसित बीजकोषों या नमी वाले बीजकोषों को न चुनें। भंडारण क्षेत्र हवादार और पक्का होना चाहिए। यदि आवश्यक हो, तो कपास को संग्रहीत करने से पहले भंडार गृह में धुआँ देना चाहिए। उर्वरक, पशु चारा, कृषि रसायनों को कपास के साथ मिलाने से बचना चाहिए। जिन खेतों में फसल पूरी हो चुकी है, वहाँ रबी की फसल बोई गई है। इन क्षेत्रों में कपास के पौधों के डंठलों को खेतों में न रखें। अंतिम चुनाई के बाद कॉटन श्रेडर से कपास के डंठलों को काट लें। दिसंबर के अंत तक फसल को समाप्त कर दें और फसल अवशेषों को नष्ट कर दें। यदि सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है, तो रबी की फसल को फसल चक्र के रूप में लें।